an>

Title:

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) : माननीय अध्यक्ष जी, आप पृथ्वी दिवस है। आपने सदन को संबोधित भी किया है। आज 22 अप्रैल, पृथ्वी दिवस है। आज के दिन पृथ्वी के प्रति प्रेम, आत्मचिंतन और संजीदगी का दिन है। पृथ्वी जीवन का केन्द्र है, इसलिए महज सिर्फ एक दिन इसे याद करके इतिश्री नहीं की जा सकती। पिछली सदी में बड़े पैमाने पर पर्यावरण का संरक्षण हुआ। नए दशक तक विकासशील देशों और विकसित देशों में वायु प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या नहीं देखी गई। आठवें दशक के अंत तक ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन को गंभीरता से देखना शुरू किया गया। ओजोन परत के संरक्षण के अलावा पिछली सदी में बड़े पैमाने पर पर्यावरण संरक्षण भी हुआ। लगभग 80 प्रतिशत उपभोग की वस्तुएं जैसे जीवाश्म ईंधन, स्टील, एल्यूमिनियम और तांबा का उपयोग विकसित देशों की 20 प्रतिशत आबादी कर रही है। आज इन्हीं सब कारणों की वजह से ओजोन परत का क्षरण हुआ है। आज मानव लोभ के कारण धरती के संसाधानों का क्षय और क्षरण जारी है। प्राणवायु दमघोंटू हो गई है, अमृत समान जल मौत और रोगों की बड़ी वजह बन गई है। आज हमारी पृथ्वी विषैले रसायनों से नष्ट होती जा रही है। प्राकृतिक आपदाओं की आवृति और आकार में वृद्धि होती जा रही है।

धरती पर बढ़ते इन खतरों ने जन-जीवन पर अपना दुष्परिणाम डालना शुरू कर दिया है तो इंसान को चेतना आई है। बढ़ता हुआ तापमान केवल इंसानी जीवन पर ही प्रभाव नहीं डाल रहा है बल्कि इसका असर फसलों पर भी पड़ रहा है। आदरणीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने बीते सप्ताह एयर क्वालिटी इंडेक्स को प्रारंभ करवाया। अमेरिका, चीन, फ्रांस और मैक्सिकों के बाद भारत पांचवां देश बना, जहां यह तय होगा कि हवा लेने लायक है या नहीं। सरकार अच्छे कदम के साथ आगे बढ़ रही है। पन्द्रह साल पुराने वाहनों पर रोक लगाई जाए। इसके साथ ग्लोबल वार्मिंग, वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सोलर सेल जैसी टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और कोयला-जीवाश्म आधारित ईंधन का इस्तेमाल कम किया जाए।

माननीय अध्यक्ष: श्री अर्जुन राम मेघवाल को श्रीमती जयश्रीबेन पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।